www.jsuniltutorial.weebly.com

डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल्स

गया और संथाल परगना प्रक्षेत्र

कक्षा : नवम्
विषय : हिन्दी

प्रथम संकलनात्मक मूल्यांकन 2015-2016

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 90

निर्देश:
1. इस प्रश्न–पत्र के चार खण्ड हैं– खण्ड 'क', 'ख', 'ग' एवं 'घ'।
2. चारों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है। यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के मान सामने अंकित हैं।

खण्ड 'क' – अपठित बोध

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। 1X5= 5

हमारे चारों ओर प्रकृति का जो समूचा रूप दिखाई पड़ता है, या महसूस होता है, वही पर्यावरण है। प्रकृति और मानव का चिरंतन संबंध है। कहा जाता है कि मानव प्रकृति के पाँच विशिष्ट तत्वों– भूमि, वायु, जल, अग्नि और आकाश से निर्मित हुआ है। इन्हीं तत्वों के आपसी संतुलन, इनकी एक दूसरे की अनिवार्यता से बने वातावरण को हम पर्यावरण के रूप में जान सकते हैं। पर्यावरण अशुद्ध होना ही प्रदूषण है। प्रदूषण की समस्या आज की एक बड़ी समस्या है। यह समस्या विज्ञान की देन है। बढ़ते हुए उद्योग–धंधों से यह पनपी है। जब तक शहर नहीं बने थे, प्रदूषण का नामोनिशान नहीं था। प्रकृति में संतुलन बना हुआ था। वायु और जल शुद्ध थे, धरती उपजाऊ थी।

(क) मानव प्रकृति के किन तत्वों से निर्मित है?

(i) फूल, फल, पत्ते, गंध और अन्न
(ii) विटामिन, वसा, उर्जा, लौह और कैल्शियम
(iii) भूमि, वायु, जल, अग्नि और आकाश
(iv) दाल, रोटी, सब्जी, दूध और घी

(ख) पर्यावरण और प्रदूषण का क्या संबंध है?

(i) पर्यावरण प्रदूषण पर निर्भर है।
(ii) प्रदूषण पर्यावरण को शुद्ध करता है।
(iii) पर्यावरण अशुद्ध होना ही प्रदूषण है।
(iv) दोनों एक–दूसरे पर निर्भर हैं।

(ग) पर्यावरण किसे कहते हैं?

(i) पेड़–पौधे पर्यावरण का निर्माण करते हैं।
(ii) वैज्ञानिक पर्यावरण का निर्माण करते हैं।
(iii) प्राकृतिक संतुलन पर्यावरण है।
(iv) भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश पाँचों तत्वों के संतुलन का नाम पर्यावरण है।

(घ) प्रदूषण की समस्या विज्ञान की देन है–कैसे?

(i) विज्ञान ने विभिन्न सुगंधित वस्तुओं से इस समस्या को जन्म दिया है।
(ii) विज्ञान ही प्रदूषण को कम करता है।
(iii) विज्ञान के अत्यधिक बढ़ते प्रयोग के कारण उद्योग–धंधों का अत्यधिक विस्तार हुआ है और प्राकृतिक संतुलन गड़बड़ाया है।
(iv) समुंद्र का व्यास बढ़ने से पृथ्वी पर प्रदूषण बढ़ा है।

(ङ) 'प्राकृतिक' का विपरीतार्थक भाब्द बताइये–

(i) आकृति (ii) मधुर (iii) जागृत (iv) कृत्रिम

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए। 1X5= 5

नैतिक शिक्षा व्यक्ति में सहज मानवीय गुणों को उजागर करने में निश्चय ही बहुत अधिक सहायक हो सकती है। वह संयम,

www.jsuniltutorial.weebly.com

www.jsuniltutorial.weebly.com

अनुशासन, चारित्रिक दृढ़ता, निर्भरता, अटूटता आदि का सचार कर सकती है। नैतिक शिक्षा ही हमें यह सिखा सकती है कि जीवन और समाज में किस व्यक्ति का क्या स्थान और महत्त्व है। समाज में सामूहिक और वैयक्तिक स्तर पर कब, कहाँ हमारा आचरण–व्यवहार कैसा रहना चाहिए। कहाँ हमें झुकना है और कहाँ मूल्य पर अड़ या डट जाना चाहिए। यह एक निर्भांत सत्य है कि जीवन, समाज, देश तथा राष्ट्र व्यक्तियों के आचरण और व्यवहार से बनता है। समाज में व्यक्ति अपने आचरण से ही पहचाना जाता है, साथ ही यह भी निर्भ्रांत और परीक्षित सत्य है कि व्यक्ति के सदाचार और व्यवहार का निर्माण उसकी प्रत्यक्ष–परोक्ष शिक्षा के द्वारा ही होता है। शिक्षा भी ऐसा तभी कर सकती है, जब उसके कुछ अपने नैतिक मान और मूल्य हों। कोष से शब्द ज्ञान करा देना या कुछ विषय रटा देना ही तो शिक्षा नहीं है न! उसका वास्तविक प्रयोग तो आदमी में आदमीपन का विकास करना है। यह विकास ही नैतिकता की प्रतिष्ठा है, जिसके अभाव में सुशिक्षा भी कुशिक्षा ही है।

(क) नैतिक शिक्षा व्यक्ति में जिन गुणों का विकास करती है, वे हैं–

(i) मानवीय गुण (ii) चारित्रिक गुण

(iii) जातीय गुण (iv) राष्ट्रीय गुण

(ख) समाज में व्यक्ति पहचाना जाता है–

(i) उपलब्धियों से (ii) आचरण से

(iii) धन–दौलत से (iv) मानवता से

(ग) लेखक उसे शिक्षा नहीं मानता, जो–

(i) कुछ विषयों को रटा देने से मिले। (ii) मानव को उद्देश्यहीन बना दे।

(iii) मानवीय गुणों को अनदेखा कर दे। (iv) दुराचारी बना दे।

(घ) आदमी को आदमीपन का विकास करना किसकी प्रतिष्ठा है?

(i) मानवता की (ii) नैतिकता की

(iii) कर्त्तव्य की (iv) दयालुता की

(ङ) 'नैतिक' शब्द में प्रत्यय है–

(i) इक (ii) एक (iii) ईक (iv) तिक

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए। 1X5= 5

नथुनों से प्राणों तक खिंच गई
गंध की लकीर–सी
आँखों में हो गई रंगों की बरसात
अनायास कह उठा, वाह
धन्य है बसंत ऋतु!
लौटने को पैर ज्यों बढ़ाये तो
क्यारी के कोने में दुबका एक नन्हा फूल अचानक बोल पड़ा
सुनो, एक छोटा–सा सत्य तुम्हें सौंपता हूँ
धन्य हैं बसंत ऋतु, ठीक है?
पर उसकी धन्यता उसकी कमाई नहीं।
वह हमने रची है,
हमने? धूप और बरसात,
जाड़ा और पाला झेल
सूरज को तपा है पूरी आयु एक पाँव पर
तुमने ऋतु को बखाना,
पर क्या कभी पलभर भी
तुम उस लौ को भी देख सके जिसके बल
मैंने और इसने और उसने यानी मेरे एक–एक साथी ने
मिट्टी का अँधेरा फोड़

www.jsuniltutorial.weebly.com

www.jsuniltutorial.weebly.com

सूरज से आँखें मिलाई हैं?

(क) 'खिंच गई गंध की लकीर' पंक्ति में किसकी गंध है?

(i) फूलों की (ii) इत्र की

(iii) पकवानों की (iv) अगरबत्ती की

(ख) अचानक कौन बोल पड़ा?

(i) माली (ii) पेड़

(iii) नन्हा फूल (iv) कवि

(ग) 'पर उसकी धन्यता उसकी कमाई नहीं' पंक्ति में 'उसकी' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(i) सावन के लिए (ii) बादलों के लिए

(iii) माली के लिए (iv) वसंत ऋतु के लिए

(घ) 'मिट्टी का अंधेरा फोड़' से आशय है–

(i) अंकुरण एवं जड़ों के फैलाने से (ii) अंकुरण एवं फूल खिलने से

(iii) खाद डालने से (iv) ज़मीन खोदने से

(ङ) वसंत ऋतु का महत्त्व होता है–

(i) पेड़–पौधों से (ii) स्वयं वसंत से

(iii) वर्षा ऋतु से (iv) सुगंध से

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए। 1X5=5

चलते चलो, चलते चलो।
सूरज के संग–संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरणों से गगन पोंछा
धरती को रंग दिए।
रूकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार है।
आज है रंग महल, युग के ही संग–संग चलते चलो
मानव जिस ओर गया
नगर बने, तीर्थ बने
तुमसे है कौन बड़ा?
गगन सिंधु मित्र बने,
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग चलते चलो।

(क) कवि किसके साथ चलते चलने को कहता है?

(i) तारे (ii) चाँद (iii) सूरज (iv) मनुष्य

(ख) रूकना किसके समान है?

(i) स्थिर होना (ii) जड़ होना (iii) जीवन (iv) मृत्यु

(ग) मानव जिस–जिस ओर गया, वहाँ क्या–क्या बने?

(i) नगर और तीर्थ (ii) जंगल (iii) घर (iv) महल

(घ) कविता में 'तम' शब्द का क्या अर्थ है?

(i) चमक (ii) प्रकाश (iii) अंधकार (iv) सोना

(ङ) कवि किस चीज़ का सुख भोगने की बात करता है?

(i) नदी (ii) भूमि (iii) गगन (iv) जीवन

www.jsuniltutorial.weebly.com

www.jsuniltutorial.weebly.com

खण्ड–'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– 1X4=4

(क) 'अत्यधिक' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'निर्' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

(ग) 'सजावट' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'एरा' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

6. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए– 1X3=3

(क) यथाशक्ति (ख) देशभक्ति (ग) पीताबर

7(i). निम्नलिखित वाक्यों में अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेद का नाम बताइए– 1X3=3

(क) ईश्वर आपको सुख और शांति दे।

(ख) ओह! कितना सुंदर दृश्य है।

(ग) आपका घर कहाँ है?

(ii). वाक्य के कितने अंग हैं? 1

8. अलंकार किसे कहते हैं? उनके कितने भेद हैं? 1

9. 'रूपक' अथवा 'श्लेष' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखें। 3

खण्ड – 'ग'

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर लिखिए– 1X5=5

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे–देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ में रहते–रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने–सामने या आस–पास बैठे हुए एक–दूसरे से मूक–भाषा में विचार–विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक–दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी–कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे–विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल–धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हलकी–सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता।

(क) झूरी के दोनों बैलों के नाम क्या थे?

(i) हीरा – मोती (ii) राम–श्याम

(iii) मोहन–सोहन (iv) राम–रही

(ख) हीरा और मोती दोनों बैलों में कैसा संबंध था?

(i) शत्रु–मित्र (ii) भाईचारा

(iii) आत्मीयता का (iv) दोस्ती का

(ग) दोनों बैल क्या करके अपना प्रेम प्रकट करते थे?

(i) सूँघकर (ii) चाटकर

(iii) देखकर (iv) सुनकर

(घ) इस गद्यांश के लेखक कौन है?

(i) प्रेमचंद (ii) चपला देवी

(iii) महादेवी (iv) जाबिर हुसैन

(ङ) 'घनिष्ठता' में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए –

(i) कता (ii) ता

(iii) एकता (iv) घनिष्ठ

www.jsuniltutorial.weebly.com

www.jsuniltutorial.weebly.com

अथवा

हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें, परंपराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ है। कड़वा सच यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं, पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिगभ्रमित हो रहे हैं।

क. किसका क्षरण हुआ है ?

(i) परंपराओं का (ii) आस्थाओं का (iii) विश्वासों का (iv) धर्मों का

ख. हम किसके सांस्कृतिक उपनिवेश बनते जा रहे हैं।

(i) पूर्व का (ii) बौद्धिक दासता का (iii) पश्चिम का (iv) अमेरिका का

ग. कड़वा सच है कि –

(i) हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं।

(ii) हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे है।

(iii) हम पश्चिम का सांस्कृतिक उपनिवेश बनते रहें है।

(iv) उपर्युक्त सभी

घ. सांस्कृतिक अस्मिता का तात्पर्य है –

(i) परंपराओं, विश्वासों का अवमूल्यन

(ii) धर्म में लोगों का आस्था बढ़ना

(iii) भारत की मिली–जुली सांस्कृतिक पहचान

(iv) उपर्युक्त सभी

ड. इस गद्यांश के लेखक व पाठ के नाम का युग्म है –

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता एक मैना

(ii) हरिशंकर परसाई – प्रेमचंद के फटे जूते

(iii) श्यामचरण दूबे – उपभोक्तावाद की संस्कृति

(iv) राहुल सांस्कृत्यायन – ल्हासा की ओर

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2X5=10

(क) 'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।' हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचन्द के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

(ख) अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(ग) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

(घ) आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है?

(ड) गाँधीजी ने उपभोक्तावादी संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है?

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाइ।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाइ।।

(क) कबीर ने हिंदू और मुसलमान को मृत क्यों कहा है? 2

(ख) कबीर के अनुसार जीवित कौन है? 2

(ग) कबीर किस प्रकार का मनुष्य चाहते हैं? 1

अथवा

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम–सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

www.jsuniltutorial.weebly.com

www.jsuniltutorial.weebly.com

(क) माझी कौन है ? कवयित्री उसके सामने क्यों परेशान है? 2

(ख) 'जेब टटोलना' से क्या अभिप्राय है? 2

(ग) कवयित्री ने अपना दिन कैसे बिता दिया? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए– 2X5=10

(क) कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की है?

(ख) एक लकुटी और कामरिया पर कवि सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

(ग) कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही थी?

(घ) कवि ने गाँव को 'हरता जन–मन' क्यों कहा है?

(ङ) 'ग्राम श्री' कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

(क) जब लेखक को यह एहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घुसने की संभावना है तो उसने क्या–क्या प्रबंध किए?

(ख) 'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'– इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'इस जल प्रलय' पाठ में मृत्यु का तरल दूत किसे एवं क्यों कहा गया है?

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। 10

(क) विज्ञानः वरदान या अभिशाप

- प्रकृति पर विजय
- मनुष्य के लिए वरदान
- उत्पन्न समस्याएँ
- सदुपयोग या दुरूपयोग

(ख) भूकंप–त्रासदी

- अर्थ
- कब आया?
- नुकसान

(ग) अनुशासन ही सफलता की कुंजी है

- अनुशासन का महत्त्व
- सफलता हेतु अनुशासन
- निष्कर्ष

16. आपके क्षेत्र में सफाई कर्मचारी के नियमित रूप से न आने के कारण बहुत गंदगी फैल गई है। इसकी शिकायत करते हुए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश साथ–साथ बिताने के लिए निमंत्रण पत्र लिखिए।

17. आपके विद्यालय में 'शिक्षक–दिवस' समारोह मनाया जा रहा है, इस विषय पर प्रतिवेदन तैयार करें। 5

****

www.jsuniltutorial.weebly.com